ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–12
दिनांक– मंगलवार, 13 फरवरी, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.9 एवं 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 51 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.4 एवं दोपहर में 28.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(14–18 फरवरी, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 14–18 फरवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- नमीयुक्त पूरवा हवा के वायुमंडल में प्रवेश के कारण वर्षा की सम्भावना बन रही है। जिसके प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों के अनेक स्थानों पर अगले 24 घंटों मे हल्की वर्षा की हो सकती है।
- पूर्वानुमानित की अवधि अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। जबकि न्यूनतम 13 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- औसतन 5–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। 14–15 फरवरी को पूरवा हवा भी चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले 24 घंटों मे वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषक भाईयों को सलाह दी जाती है कि दैनिक कृषि कार्यो में सर्तकता बरतें। फसलों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव मौसम साफ होने पर करें। खड़ी फसलों जैसे–गेहूँ, मक्का, आलू, मटर, टमाटर, चना एवं सब्जिओं की फसल में सिंचाई स्थगित रखें। अगात सरसों की तैयार फसलों की कटाई नहीं करें। कटी हुई सरसों की फसल को सुरक्षित स्थानों पर भंडारित कर लें।
- रवी मक्का की अगात फसल जिसमें धनबाल एवं मोचा आ गई हो, 40 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन वर्षा के बाद करें।
- समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो गाभा की अवस्था में आ गयी हो उसमें 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन वर्षा के बाद करें।
- कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु गरमा सब्जियों की बुआई पूर्व खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। इस कीट के पिल्लू रात्री के समय निकलकर इन सब्जियों की छोटे–छोटे उग रहे पौधो पर चढ़कर पत्तियों तथा कोमल शाखाओं को काटकर खाती है एवं जमीन पर गिरा देती हैं जिससे पूरा पौधा ही सूख जाता है।
- पिछात बोयी गई गेहूँ की फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग हल्का पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो 2.5 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 1.25 किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं 12.5 किलोग्राम युरिया को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। दीमक कीट का प्रकोप फसल में दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर खड़ी फसलों में समान रूप से व्यवहार करें।
- प्याज में थ्रिप्स कीट की देख–रेख करें। थ्रिप्स प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा यह पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों पर दाग दिखाई देते है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। थ्रीप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ होने पर करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें। प्याज में निकाई–गुड़ाई करें।
- केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें। प्रति केला 200 ग्राम युरिया, 200 ग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करे।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकुल समय चल रहा है। इससे बचाव के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. दवा का 1. 0 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
- इस समय आम में मंजर आ रहा है। जो किसान भाई आम में अभी तक कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं किए हैं, वे इमिडाक्लोरप्रिड (17.8 एस0एल0) दवा 1 मिलीलीटर प्रति 2 लीटर पानी की दर से और घुलनशील गंधक चूर्ण फूंदनाशक दवा (80 डब्लू0पी0) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। इससे आम के पेड़ में मधुआ कीट एवं चूर्णित आसिता (पाउडरी मिलडीउ) रोग की उग्रता में कमी आती है।
- इस मौसम में सब्जियों वाली फसल में लाही कीट का प्रकोप की संभावना रहती है, यदि कीटों की संख्या अधिक हो तो इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।

आज का अधिकतम तापमानः 22.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.3 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 11.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)